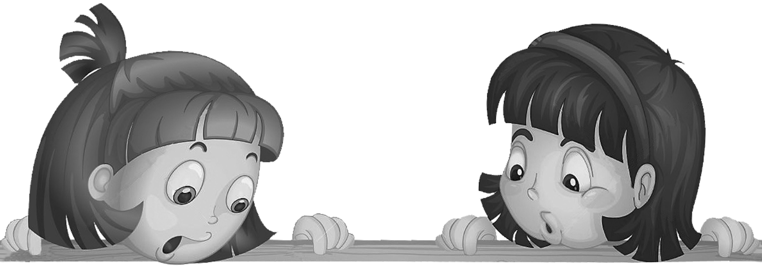

प्रथम और द्वितीय सत्र के लिए

यूनीक

मासिक पाठ्यक्रम

(वार्षिक योजना)

जूनियर के. जी.

NAVNEET

नवनीत एज्युकेशन लिमिटेड

नवनीत हाउस, गुरुकुल रोड, मेमनगर,

अहमदाबाद – ३८० ०५२। फोन : ६६३० ५०००

N 2111

मूल्य : ₹ २०.००

यूनीक मूल्यांकन योजना : जूनि. से 5

प्रथम और द्वितीय सत्र के लिए

विषय ☛ कक्षा ☛	मुख्य जूनि./सीनि.	मुख्य 1 से 5	गुजराती 1 और 2	English 1 से 4	कम्प्यूटर 4 और 5	सा. ज्ञान 1 से 5
औपचारिक लिखित मूल्यांकन	40	40	40	40	40	40
अनौपचारिक मूल्यांकन	–	40	–	–	–	–
आंतरिक / प्रैक्टिकल	10	20	10	10	10	10
पूर्णांक	**50**	**100**	**50**	**50**	**50**	**50**

द्वितीय सत्र के लिए

विषय ☛ कक्षा ☛	चित्रकला जूनि./सीनि.	चित्रकला 1 से 5	कम्प्यूटर 1 से 3
औपचारिक लिखित मूल्यांकन	40	80	25
अनौपचारिक मूल्यांकन	–	–	–
आंतरिक /प्रैक्टिकल	10	20	25
पूर्णांक	**50**	**100**	**50**

पाठ्यक्रम

☛ **मूल्यांकन – प्रथम सत्र : अक्तूबर, 2018 :** जून '18 से अक्तूबर '18 तक का रहेगा।

☛ **मूल्यांकन – द्वितीय सत्र : अप्रैल, 2019 :** नवम्बर '18 से अप्रैल '19 तक का रहेगा।

☛ **चित्रकला :** जूनि. के. जी. से कक्षा 5 और **कम्प्यूटर :** कक्षा 1 से 3 में केवल द्वितीय सत्र में ही लिखित मूल्यांकन होने के कारण उनमें संपूर्ण पाठ्यक्रम रहेगा।

संचालक महोदय, आचार्य महोदय, शिक्षक मित्रों एवं अभिभावकगण,

नम्र निवेदन ...

प्रतिस्पर्धा के वर्तमान युग में बच्चों को विद्यालय में – विशेष रूप से शिशुवर्ग में प्रवेश दिलाने के साथ ही विद्यालय एवं शिक्षकों से अभिभावकों की अपेक्षाएँ अधिक बढ़ जाती है। सामान्य रूप से उनकी मान्यता है कि बच्चा विद्यालय में जाने लगा, तो दूसरे महीने से ही उसे लिखना-पढ़ना आ जाना चाहिए। परंतु वर्तमान स्थिति में शिक्षकों और विशेष रूप से अभिभावकों को एक बात ध्यान में रखनी चाहिए कि पहले पाँच वर्ष पूरे करने के बाद ही बच्चों को कक्षा १ में प्रवेश मिलता था। शिशुवर्ग में बच्चों को दाखिल करवाने की प्रथा उस समय इतनी प्रचलित नहीं थी जब वर्तमान अभिभावक विद्यार्थी थे। जबकि वर्तमान समय में शिशुवर्ग अनिवार्य हो गया है! उनमें भी नर्सरी, जूनियर के. जी. और सीनियर के. जी. जैसे तीन विभाग हैं। और इसीलिए नाजुक उम्र में शिशुवर्ग में दाखिल होनेवाले बच्चे के स्नायुओं को विकसित करने के बाद ही अंक ज्ञान और अक्षर ज्ञान कराना आवश्यक है। बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक कुछ महत्त्वपूर्ण बातों का इस पाठ्यक्रम में समावेश करने का हमने प्रयास किया है। हमें विश्वास है कि इस पाठ्यक्रम में दिए गए क्रमानुसार तथा समयानुसार बच्चे को शिक्षा दी जाएगी तो बच्चा केवल होशियार विद्यार्थी ही नहीं, बल्कि भविष्य में एक समझदार नागरिक भी बन सकेगा।

तीन-साढ़े तीन वर्ष की उम्र में माँ का सहारा छोड़कर पहली बार बच्चा बाहर की दुनिया में आता है। ऐसे समय में हमारा (शिशुवर्ग की शिक्षिका बहनों का) कर्तव्य होता है कि ऐसा वातावरण प्रदान करें, जिससे उन्हें लाड़-प्यार मिले। अध्ययन की पूर्व तैयारी के रूप में बच्चों से ऐसे छोटे-मोटे कार्य कराएँ, जिनसे उनका शारीरिक और मानसिक विकास हो साथ-ही-साथ उनकी स्नायुओं का भी विकास हो। बच्चे के विद्यालय में दाखिल होने के बाद पहले ही दिन से उसे सीधे अंक ज्ञान या अक्षर ज्ञान कराने के बदले उसे आनंद प्राप्त होनेवाले विविध खेल खेलने के लिए कहें तथा उससे अन्य कार्य करवाएँ ताकि बच्चा दूसरे दिन अपने आप ही विद्यालय में आने के लिए प्रेरित हो।

इसके लिए निम्नलिखित बातों पर विचार करना चाहिए :

- बच्चों की छोटी-बड़ी स्नायु सुगठित हों।
- सूक्ष्म अवलोकन के अंतर्गत हेतुपूर्ण ऐसे खेल खेलने का मौका दें, जिससे उनकी दबी हुई भावनाओं को खुलापन मिलें।
- बच्चों में स्वावलंबन, एकाग्रता और स्थिरता विकसित हों।
- बच्चों को शारीरिक विकास से शुरू करके बौद्धिक विकास की तरफ ले जाएँ।

उपर्युक्त सभी विषय अथवा उद्देश्य पूर्ति के लिए बच्चों को निम्नलिखित गतिविधियों में शामिल किया जा सकता है :

- बच्चों को शुरुआत में अपने वर्गस्थल, पानी पीने के स्थान, पेशाब की जगह, खेल के मैदान, प्रार्थना-स्थल, विद्यालय के कार्यालय आदि स्थानों से अवगत करना चाहिए।
- बच्चों को निम्नलिखित प्रवृत्तियों में प्रवृत्त करना।

उदा., चलना, दौड़ना, कूदना, फेंकना, पकड़ना, बैठना, खड़ा होना, लुढ़कना, खींचना, संतुलन बनाना, उठाना, झूला झूलना, फिसलना, लटकना आदि।

बच्चों से उपर्युक्त कार्य कराने के बाद दूसरे दौर में निम्नलिखित कार्य कराए जा सकते हैं :

- मिट्टीकाम, पिरोना, कूटना, भरना, खोलना, बंद करना, चालना, चुनना, व्यवस्थित करना आदि।

उपर्युक्त सभी कार्य बच्चे की छोटी स्नायुओं के विकास तथा उनकी तर्कशक्ति को बढ़ाने में सहायक साबित होंगी। उसके बाद छोटी स्नायुओं के विकास और बच्चों के बौद्धिक विकास में निम्नांकित सभी गतिविधियाँ उपयोगी होंगी :

- पुस्तक के पन्ने उलटने, कढ़ाई, कागज़ मोड़ना, कागज़ फाड़ना, गोली बनाना, सरल पैटर्न का लेखन, चॉककाम, रंगाई, छपाई, चिपकाने का काम, चित्रकारी आदि।

उपर्युक्त तमाम गतिविधियाँ कराने के बाद बच्चा विकास के लिए पूरी तरह सक्षम बनता है। अब ऐसे कार्य करवाने चाहिए जिनसे बच्चे की स्मरणशक्ति, अवलोकनशक्ति विकसित हो, बच्चे में वर्गीकरण करने

की कुशलता विकसित हो, बच्चे में विचार करने की शक्ति विकसित हो, बच्चे में समस्याओं का निराकरण करने की शक्ति और तर्कशक्ति का विकास हो। इसके लिए पहचान, समानता, वर्गीकरण, पूरक जोड़ी, अलग करना, क्रम में लगाना, क्या घटता है?, क्या गलत है? – जैसी गतिविधियाँ उपयोगी होगी। इसके अतिरिक्त ऐसी गतिविधियाँ भी करानी चाहिए जिससे बच्चों की दृश्येन्द्रिय, स्पर्शेन्द्रिय, कर्णेन्द्रिय, घ्राणेन्द्रिय और स्वादेन्द्रिय की शक्तियाँ विकसित हों। इन सभी इन्द्रियों के विकास के लिए अलग-अलग गतिविधियाँ मासिक पाठ्यक्रम आयोजन में क्रमशः दर्शाई गई हैं। परंतु विशेष रूप से 'कर्णेन्द्रिय' के विकास के लिए बच्चों को संगीतमय तुकबंदी और बालगीत सुनाना, उनसे गवाना हितकर होगा। बच्चों को पसंद आनेवाली पीढ़ी-दर-पीढ़ी से कंठस्थ ऐसी तुकबंदी और बालगीत हमने ऑडियो कैसेट्स की श्रेणी में रखा है। वर्तमान समय की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए आंतरराष्ट्रीय भाषा – अंग्रेजी का प्राथमिक ज्ञान सभी बच्चों के लिए अनिवार्य है, क्योंकि आधुनिक पीढ़ी को दैनिक कार्यों में Computer का उपयोग करना आवश्यक है। Computer की Command-Language English होने के कारण उसका प्राथमिक ज्ञान अथवा परिचय यदि बच्चे को बचपन से ही मिले तो भविष्य में भाषा को आत्मसात् करना बच्चे के लिए आसान रहेगा। सरकार भी इस दिशा में सक्रिय है। अलग-अलग भाषा के शब्दों से बच्चे को परिचित करवाने का शायद यह सबसे सरल और संगीतमय मार्ग है। संक्षेप में अब समय के साथ चलने के लिए बच्चे को बचपन से ही हिन्दी, गुजराती और अंग्रेजी भाषा का परिचय कराना आवश्यक है और साथ-साथ उनकी कर्णेन्द्रिय के विकास के अतिरिक्त भाषा की समझ, शुद्ध उच्चारण करने की क्षमता, तर्कशक्ति आदि विविध पहलू विकसित होते हैं।

उपर्युक्त सभी गतिविधियाँ बच्चों से कराने के बाद इस बारे में विचार करना चाहिए कि उनकी भावनाओं का विकास हो तथा सामाजिक ज्ञान विकसित हो। इसके लिए निम्नलिखित बातों का विचार करना चाहिए :

- बच्चा अपना मौखिक प्रस्तुतिकरण सरलता से कर सकें।

- उसकी इच्छा के विरुद्ध कोई घटना घटे तब सहज व्यवहार कर सकें।
- बच्चा अपने व्यक्तित्व की पहचान करा सकें और स्वतंत्र बन सकें।
- अन्य बच्चों के साथ अच्छे संबंध विकसित कर सकें।
- दूसरों की भावनाओं तथा आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील बन सकें।
- समूह में रहकर सहिष्णु, विवेकी और सहयोगी बन सकें।
- खेलभावना से खेल खेलकर अपनी पारी की राह देख सकें, धैर्य धारण कर सकें।
- शिक्षक द्वारा दी जानेवाली सूचनाओं तथा बातों को ध्यान से सुन सकें।

पहले बताए गए सभी विषय बच्चे को सहज आत्मसात् हो उसके लिए निम्नलिखित प्रवृत्तियों का आयोजन करना आवश्यक है :

● बॉक्स के विभिन्न खेल ● रेत के खेल ● पानी के खेल ● बागवानी ● वर्ग के अंदर और वर्ग के बाहर के खेल ● प्राकृतिक प्रवास ● संगीत की विविध प्रवृत्तियाँ ● गुड़िया घर का खेल ● सभी त्योहार मनाना

उपर्युक्त सभी प्रवृत्तियाँ बच्चों से कराने के बाद बच्चा भाषा के विकास के लिए सक्षम बन जाता है – अक्षर ज्ञान की शुरुआत कराने के लिए बच्चे में श्रवण कुशलता विकसित करना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, सूचनाओं के आदान-प्रदान की आदत विकसित करना तथा उसके पठन के लिए अवलोकनशक्ति विकसित करना भी आवश्यक होता है। उसके लिए बच्चा वर्ग में अलग-अलग चार्ट्स का अवलोकन करे, बालगीत गाए और सुने, कहानी सुने, उम्र के अनुरूप बाल नाटकों द्वारा संवाद बोले अथवा सुने, यह बहुत आवश्यक है।

शिशुवर्ग के बालकों से पढ़ने की अर्थात् अवलोकन और अक्षर लिखने की शुरुआत करने से पहले यदि उपर्युक्त प्रवृत्तियों में उन्हें रुचि हो – उस प्रकार कराया जाए तो बच्चा पढ़ने की शुरुआत बहुत ही रुचिपूर्वक और सहजता से करेगा तथा प्रतिदिन विद्यालय जाने की जिद्द करेगा और एक बार बालक नियमित रूप से विद्यालय में आकर सभी प्रवृत्तियों में रुचि लेने लगेगा तो उसका परिणाम क्या होगा, वास्तव में इसकी विस्तृत चर्चा करने की आवश्यकता है?

मासिक पाठ्यक्रम (वार्षिक योजना)

जूनियर के. जी.

सूचना : प्रथम सत्र का लिखित मूल्यांकन सितम्बर अथवा अक्तूबर मास में होने के कारण पाठ्यक्रम उसी के अनुसार पूरा कराएँ।

* **प्रथम सत्र :** जून से अक्तूबर तक * **द्वितीय सत्र :** नवम्बर से अप्रैल तक

१. शारीरिक विकास हेतु प्रवृत्तियाँ

जून

वर्ग के बाहर खेले जानेवाले खेल :

चलना :
- लकीर पर;______ ,W ,∩ जैसे आकार पर एक के बाद एक पैर रखकर चलना।
- दो लकीर के बीच चलना। ═════
- अलग-अलग प्रकार से ईंटें रखकर ईंटों पर चलना। (पट ईंटें ▭ ▭ ▭; खड़ी ईंटें ▯ ▯ ▯)
- पाले पर चलना।
- दो टायर पर पटिया रखकर पटिये पर चलना।

दौड़ना :
- दो लकीर के बीच दौड़ना।
- गोल घूमते खंजरी के ताल के साथ दौड़ना। धीरे, तेज, धीरे, खड़ा रहना।

वर्ग में कराई जानेवाली प्रवृत्तियाँ :

मिट्टीकाम :
- अलग-अलग आकार बनाना : साँप, लड्डू, जलेबी

पिरोना :
- अलग-अलग आकार के मनके, पत्ते, मक्के का लावा (पोपकॉर्न) आदि पिरोने देना।

जुलाई

वर्ग के बाहर खेले जानेवाले खेल :

कूदना :
- बॉक्स, पायदान, कुर्सी पर से कूदना, पायदान खेलना।
- ○ ○ ○ अंदर-बाहर, अंदर-बाहर
- ○8○8○ दोनों पैर साथ में, खुले, साथ में, खुले

} ○ बनाकर इस तरह कूदना।

फेंकना : • बॉल, रिंग • बॉल को बाल्टी में या टब में फेंकना।

• पासिंग बॉल का खेल। • बास्केटबॉल की रिंग में बॉल डालना।

• बॉल, रिंग से आमने-सामने खड़े रहकर खेलना।

पकड़ना : • बॉल, रिंग

वर्ग में कराई जानेवाली प्रवृत्तियाँ :

कूटना : • चना, नमक जैसी वस्तु चूर्ण करने के लिए देना।

भरना : • शीशे में चना, राजमा तथा मेथी को अंगूठे और दो उँगलियों की मदद से एक-एक दाना लेकर डालना।

खोलना-बंद करना : बटन, हुक, क्लिप, चेन, बोतल के ढक्कन खोलने और बंद करने के लिए देना।

अगस्त

वर्ग के बाहर खेले जानेवाले खेल :

बैठना / खड़ा होना : खंजरी की ताल पर खड़े हों, बैठें।

लुढ़काना : बॉल, टायर लुढ़काना।

खींचना : • रस्सी आमने-सामने खींचना।

• लकड़ी के टुकड़े के साथ रस्सी बाँधकर खींचना।

संतुलन बनाना : • सिर पर रिंग रखकर चलना।

• सिर पर लकड़ी का टुकड़ा रखकर चलना।

• हाथ में पानी से भरी हुई कटोरी लेकर चलना।

उठाना : • अपना बस्ता, कुर्सी आदि उठाना।

वर्ग में कराई जानेवाली प्रवृत्तियाँ :

चालना : • रेत चालना। • अनाज चालना।

बिनना : • गेहूँ में से कंकण बीनना।

तरतीब से रखना :

• जमीन पर चित्र बनाकर उसके ऊपर फूल, पत्ते, चीकू के बीज, चिंआँ, शंख, सीप, बटन आदि वस्तुएँ तरतीब से रखने के लिए देना।

सितम्बर

वर्ग के बाहर खेले जानेवाले खेल :

- संगीत कुर्सी • रेत में मुक्त खेलने देना

वर्ग में कराई जानेवाली प्रवृत्तियाँ :

- दट्टा पेटी, मीनार • पजल ट्रे

अक्तूबर

पुनरावर्तन

नवम्बर

वर्ग के बाहर खेले जानेवाले खेल :

- साइकिल चलाना • पासिंग बॉल खेलना

वर्ग में कराई जानेवाली प्रवृत्तियाँ :

- पजल ट्रे • सिलाई की पटिया

दिसम्बर

वर्ग के बाहर खेले जानेवाले खेल :

- नदी किनारे टमाटर • पासिंग बॉल • साततालो

वर्ग में कराई जानेवाली प्रवृत्तियाँ :

- मिट्टीकाम • भरना • पिरोना
- खोलना – बंद करना

जनवरी

वर्ग के बाहर खेले जानेवाले खेल :

- सादी दौड़ • टायर लुढ़काना • मूर्ति का खेल

वर्ग में कराई जानेवाली प्रवृत्तियाँ :

- शीशे में पानी डालना • कपड़े को तह लगाना
- दाना अलग करना

फरवरी

वर्ग के बाहर खेले जानेवाले खेल :

- धमाल धोका
- मुझ में कंकड़ चुभता है
- संतुलन बनाना

वर्ग में कराई जानेवाली प्रवृत्तियाँ :

- गुब्बारा फुलाना
- आकृति सुशोभन (तरतीब से रखना)
- कूटना

मार्च

वर्ग के बाहर खेले जानेवाले खेल :

- संगीत कुर्सी
- साइकिल चलाना
- पानी का खेल (टब में पानी भरकर छेदवाला डिब्बा, चलनी, शैम्पू की खाली बोतल खेलने के लिए देना।)

वर्ग में कराई जानेवाली प्रवृत्तियाँ :

- मनके पिरोना
- सिलाई की पटिया
- पजल ट्रे

अप्रैल

पुनरावर्तन

२. मानसिक / बौद्धिक विकास के लिए प्रवृत्तियाँ

जून

पहचान : • चित्र बताकर जानकारी देना, उसके बाद प्रश्न पूछना।

तुलना : • दो समान वस्तुएँ लेना – बॉल, चॉक, पेन्सिल, बटन आदि। वस्तुओं की एक जोड़ी तरतीब से रखना। उन वस्तुओं के सामने बच्चा दूसरी जोड़ी तरतीब से रखें।

• समान चित्रों की जोड़ी बनाना।

जुलाई

वर्गीकरण :

- वस्तु द्वारा चिंआँ, चीकू के बीज, शंख, सीप जैसी वस्तु मिलाकर अलग करें।

पूरक जोड़ी बनाएँ :

- कप-रकाबी, ब्रश-पेस्ट, पेन्सिल-नोट

अलग करें : राजमा-सेम

क्रम में तरतीब से रखना :

- लाल, हरा मनका देना। लाल मनके, हरे मनके, लाल, हरे के अनुसार पिरोएँ। (कोई भी दो कलर दिए जा सकते हैं।)

अगस्त

चित्र में क्या घटता है? 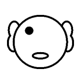 **उदा.,** बच्चे की आँख

क्या गलत है? 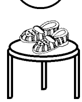 **उदा.,** तिपाई पर जूता

किताब के पन्ने उलटना।

सितम्बर

स्पर्शेन्द्रिय का परिचय :

- **उदा.,** गरम, ठंडा, चिकना, खुरदरा, हलका, भारी, कठोर, नरम आदि के स्पर्श द्वारा परिचय कराएँ।
- **घ्राणेन्द्रिय का परिचय :** अलग-अलग गंध का अनुभव कराएँ।
- **उदा.,** विक्स, नीलगिरि, पेट्रोल, परफ्यूम
- अलग-अलग आवाज़ों का अनुभव कराएँ।

अक्तूबर

पुनरावर्तन

नवम्बर

- अलग-अलग स्वादों का अनुभव कराएँ।
  उदा., मीठा, खट्टा, नमकीन, तीखा, कड़वा

दिसम्बर

- तुलना, वर्गीकरण, पूरक जोड़ी बनाइए – की प्रवृत्ति का पुनरावर्तन करना।

जनवरी

- अलग करना, क्रम में तरतीब से रखना, चित्र में क्या घटता है? – की प्रवृत्ति का पुनरावर्तन करना।

फरवरी

- अलग-अलग स्पर्श, अलग-अलग गंध का परिचय देकर पुनरावर्तन करना।

मार्च

- अलग-अलग आवाज़, अलग-अलग स्वाद का परिचय देकर पुनरावर्तन करना।

अप्रैल

पुनरावर्तन

३. हिन्दी

जून

- हिन्दी वर्णों (व्यंजन-स्वर) का चित्र द्वारा परिचय
- **क, ख, ग** और **घ** की पहचान, वाचन और लेखन
- अक्षर से शुरू होनेवाले अन्य शब्दों और चित्रों का परिचय
- अक्षर में रंग भरो।
- समान अक्षरों की जोड़ियाँ बनाओ।
- अक्षर पहचानकर ◯ बनाओ।
- अक्षर के नीचे रेखा खींचो।
- अक्षर के चारों ओर ◯ बनाओ।
- चित्र का नाम जिस अक्षर से शुरू होता हो, उसके साथ जोड़ो।
- कतार में अलग अक्षर पर × बनाओ।
- □ में लिखे हुए अक्षर जैसा अक्षर ढूँढ़कर उसके चारों ओर ◯ बनाओ।
- ठीक पहलेवाला अक्षर लिखो।
- ठीक बादवाला अक्षर लिखो।
- छूटे हुए अक्षर लिखो।
- अक्षर को उस अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के साथ जोड़ो।

(नवनीत हिन्दी वर्ण-परिचय : पृष्ठ क्रमांक २ से १३)

जुलाई

- **च, छ, ज, झ** और **ट** की पहचान, वाचन और लेखन
- अक्षर से शुरू होनेवाले अन्य शब्दों और चित्रों का परिचय
- अक्षर में रंग भरो।
- समान अक्षरों की जोड़ियाँ बनाओ।
- अक्षर पहचानकर ◯ बनाओ।
- अक्षर के नीचे रेखा खींचो।
- अक्षर के चारों ओर ◯ बनाओ।

- चित्र का नाम जिस अक्षर से शुरू होता हो, उसके साथ जोड़ो।
- कतार में अलग अक्षर पर × बनाओ।
- ☐ में लिखे हुए अक्षर जैसा अक्षर ढूँढ़कर उसके चारों ओर ◯ बनाओ।
- ठीक पहलेवाला अक्षर लिखो।
- ठीक बादवाला अक्षर लिखो।
- छूटे हुए अक्षर लिखो।
- अक्षर को उस अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के साथ जोड़ो।

(नवनीत हिन्दी वर्ण-परिचय : पृष्ठ क्रमांक १४ से २३)

अगस्त

- **ठ, ड, ढ** और **ण** की पहचान, वाचन और लेखन
- अक्षर से शुरू होनेवाले अन्य शब्दों और चित्रों का परिचय
- अक्षर में रंग भरो।
- समान अक्षरों की जोड़ियाँ बनाओ।
- अक्षर पहचानकर ◯ बनाओ।
- अक्षर के नीचे रेखा खींचो।
- अक्षर के चारों ओर ◯ बनाओ।
- चित्र का नाम जिस अक्षर से शुरू होता हो, उसके साथ जोड़ो।
- कतार में अलग अक्षर पर × बनाओ।
- ☐ में लिखे हुए अक्षर जैसा अक्षर ढूँढ़कर उसके चारों ओर ◯ बनाओ।
- ठीक पहलेवाला अक्षर लिखो।
- ठीक बादवाला अक्षर लिखो।
- छूटे हुए अक्षर लिखो।
- अक्षर को उस अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के साथ जोड़ो।
- अक्षर को उस जैसे अक्षर के साथ जोड़ो।

(नवनीत हिन्दी वर्ण-परिचय : पृष्ठ क्रमांक २४ से २९)

सितम्बर

- **त, थ, द** और **ध** की पहचान, वाचन और लेखन
- **पुनरावर्तन १**
- अक्षर से शुरू होनेवाले अन्य शब्दों और चित्रों का परिचय
- अक्षर में रंग भरो।
- समान अक्षरों की जोड़ियाँ बनाओ।
- अक्षर पहचानकर ◯ बनाओ।
- अक्षर के नीचे रेखा खींचो।
- अक्षर के चारों ओर ◯ बनाओ।
- चित्र का नाम जिस अक्षर से शुरू होता हो, उसके साथ जोड़ो।
- कतार में अलग अक्षर पर × बनाओ।
- □ में लिखे हुए अक्षर जैसा अक्षर ढूँढ़कर उसके चारों ओर ◯ बनाओ।
- ठीक पहलेवाला अक्षर लिखो।
- ठीक बादवाला अक्षर लिखो।
- छूटे हुए अक्षर लिखो।
- अक्षर को उस अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के साथ जोड़ो।

(नवनीत हिन्दी वर्ण-परिचय : पृष्ठ क्रमांक ३० से ४१)

अक्तूबर

पुनरावर्तन

नवम्बर

- **न, प** और **फ** की पहचान, वाचन और लेखन
- अक्षर से शुरू होनेवाले अन्य शब्दों और चित्रों का परिचय
- अक्षर में रंग भरो।
- समान अक्षरों की जोड़ियाँ बनाओ।
- अक्षर पहचानकर ◯ बनाओ।
- अक्षर के नीचे रेखा खींचो।
- अक्षर के चारों ओर ◯ बनाओ।

- चित्र का नाम जिस अक्षर से शुरू होता हो, उसके साथ जोड़ो।
- कतार में अलग अक्षर पर × बनाओ।
- □ में लिखे हुए अक्षर जैसा अक्षर ढूँढ़कर उसके चारों ओर ◯ बनाओ।
- ठीक पहलेवाला अक्षर लिखो।
- ठीक बादवाला अक्षर लिखो।
- छूटे हुए अक्षर लिखो।
- अक्षर को उस अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के साथ जोड़ो।

(नवनीत हिन्दी वर्ण-परिचय : पृष्ठ क्रमांक ४२ से ४७)

दिसम्बर

- **ब, भ** और **म** की पहचान, वाचन और लेखन
- अक्षर से शुरू होनेवाले अन्य शब्दों और चित्रों का परिचय
- अक्षर में रंग भरो।
- समान अक्षरों की जोड़ियाँ बनाओ।
- अक्षर पहचानकर ◯ बनाओ।
- अक्षर के नीचे रेखा खींचो।
- अक्षर के चारों ओर ◯ बनाओ।
- चित्र का नाम जिस अक्षर से शुरू होता हो, उसके साथ जोड़ो।
- कतार में अलग अक्षर पर × बनाओ।
- □ में लिखे हुए अक्षर जैसा अक्षर ढूँढ़कर उसके चारों ओर ◯ बनाओ।
- ठीक पहलेवाला अक्षर लिखो।
- ठीक बादवाला अक्षर लिखो।
- छूटे हुए अक्षर लिखो।
- अक्षर को उस अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के साथ जोड़ो।

(नवनीत हिन्दी वर्ण-परिचय : पृष्ठ क्रमांक ४८ से ५३)

जनवरी

- **य, र, ल** और **व** की पहचान, वाचन और लेखन
- अक्षर से शुरू होनेवाले अन्य शब्दों और चित्रों का परिचय
- अक्षर में रंग भरो।
- समान अक्षरों की जोड़ियाँ बनाओ।
- अक्षर पहचानकर ◯ बनाओ।
- अक्षर के नीचे रेखा खींचो।
- अक्षर के चारों ओर ◯ बनाओ।
- चित्र का नाम जिस अक्षर से शुरू होता हो, उसके साथ जोड़ो।
- कतार में अलग अक्षर पर × बनाओ।
- ☐ में लिखे हुए अक्षर जैसा अक्षर ढूँढ़कर उसके चारों ओर ◯ बनाओ।
- ठीक पहलेवाला अक्षर लिखो।
- ठीक बादवाला अक्षर लिखो।
- छूटे हुए अक्षर लिखो।
- अक्षर को उस अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के साथ जोड़ो।
- अक्षर को उस जैसे अक्षर के साथ जोड़ो।

(नवनीत हिन्दी वर्ण-परिचय : पृष्ठ क्रमांक ५४ से ५९)

फरवरी

- **श, ष** और **स** की पहचान, वाचन और लेखन
- अक्षर से शुरू होनेवाले अन्य शब्दों और चित्रों का परिचय
- अक्षर में रंग भरो।
- समान अक्षरों की जोड़ियाँ बनाओ।
- अक्षर पहचानकर ◯ बनाओ।
- अक्षर के नीचे रेखा खींचो।
- अक्षर के चारों ओर ◯ बनाओ।
- चित्र का नाम जिस अक्षर से शुरू होता हो, उसके साथ जोड़ो।
- कतार में अलग अक्षर पर × बनाओ।
- ☐ में लिखे हुए अक्षर जैसा अक्षर ढूँढ़कर उसके चारों ओर ◯ बनाओ।

- ठीक पहलेवाला अक्षर लिखो।
- ठीक बादवाला अक्षर लिखो।
- छूटे हुए अक्षर लिखो।
- अक्षर को उस अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के साथ जोड़ो।
- अक्षर को उस जैसे अक्षर के साथ जोड़ो।

(नवनीत हिन्दी वर्ण-परिचय : पृष्ठ क्रमांक ६० से ६३)

मार्च

- **ह, क्ष, ज्ञ** और **त्र** की पहचान, वाचन और लेखन
- **पुनरावर्तन २**
- **अ** से **अः** का परिचय
- आगेवाले अक्षरों का समग्रतया पुनरावर्तन
- अक्षर से शुरू होनेवाले अन्य शब्दों और चित्रों का परिचय
- अक्षर में रंग भरो।
- समान अक्षरों की जोड़ियाँ बनाओ।
- अक्षर पहचानकर ◯ बनाओ।
- अक्षर के नीचे रेखा खींचो।
- अक्षर के चारों ओर ◯ बनाओ।
- चित्र का नाम जिस अक्षर से शुरू होता हो, उसके साथ जोड़ो।
- कतार में अलग अक्षर पर × बनाओ।
- ☐ में लिखे हुए अक्षर जैसा अक्षर ढूँढ़कर उसके चारों ओर ◯ बनाओ।
- ठीक पहलेवाला अक्षर लिखो।
- ठीक बादवाला अक्षर लिखो।
- छूटे हुए अक्षर लिखो।
- अक्षर को उस अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के साथ जोड़ो।
- अक्षर को उस जैसे अक्षर के साथ जोड़ो।

(नवनीत हिन्दी वर्ण-परिचय : पृष्ठ क्रमांक ६४ से ७२)

अप्रैल

पुनरावर्तन

४. गणित

जून

- अंगुलियों की सहायता से १ से १० तक क्रम से बोलना।
- १ से ५ का परिचय, लेखन और गिनती
- चित्र गिनो और सही संख्या के साथ जोड़ो।
- चित्र गिनो और सही संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- चित्र गिनो और □ में उनकी संख्या लिखो।
- समान अंक जोड़ो।
- दी गई संख्या के बराबर △ बनाओ।
- समूह बनाओ।
- सूचना के अनुसार चित्रों में रंग भरो।

(नवनीत अंकलेखन – १ से ५० : पृष्ठ क्रमांक ३ से १२)

जुलाई

- १ से १० तक क्रम से बोलना।
- '०' (शून्य) का परिचय और लेखन
- ६ से १० का परिचय, लेखन और गिनती
- चित्र गिनो और सही संख्या के साथ जोड़ो।
- चित्र गिनो और सही संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- चित्र गिनो और □ में उनकी संख्या लिखो।
- समान अंक जोड़ो।
- संख्या को चित्रों के साथ जोड़ो।
- दी गई संख्या के बराबर △ बनाओ।
- समूह बनाओ।
- सूचना के अनुसार चित्रों में रंग भरो।
- छूटी हुई संख्याएँ क्रम से लिखो।

(नवनीत अंकलेखन – १ से ५० : पृष्ठ क्रमांक १३ से २७)

अगस्त

- १ से २० तक क्रम से बोलना।
- ११ से १५ का परिचय, लेखन और गिनती
- चित्र गिनो और सही संख्या के साथ जोड़ो।
- चित्र गिनो और सही संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- चित्र गिनो और ☐ में उनकी संख्या लिखो।
- समान अंक जोड़ो।
- दी गई संख्या के बराबर △ बनाओ।

(नवनीत अंकलेखन – १ से ५० : पृष्ठ क्रमांक २८ से ३४)

सितम्बर

- १ से २० तक क्रम से बोलना।
- १६ से २० का परिचय, लेखन और गिनती
- **पुनरावर्तन १**
- चित्र / मनके गिनो और सही संख्या के साथ जोड़ो।
- चित्र गिनो और सही संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- चित्र / मनके गिनो और ☐ में उनकी संख्या लिखो।
- समान संख्याओं को जोड़ो।
- दी गई संख्या के बराबर ◯ बनाओ।
- छूटी हुई संख्याएँ क्रम से लिखो।
- १ से २० बोलो और लिखो।

(नवनीत अंकलेखन – १ से ५० : पृष्ठ क्रमांक ३५ से ४७)

अक्तूबर

पुनरावर्तन

नवम्बर

- १ से ३० तक क्रम से बोलना।
- २१ से २९ का परिचय, लेखन और गिनती
- गिनो और सही संख्या के साथ जोड़ो।

- गिनो और सही संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- मनके गिनो और □ में उनकी संख्या लिखो।
- ठीक पहलेवाली, ठीक बादवाली और बीचवाली संख्या लिखो। (१ से २९)

  (नवनीत अंकलेखन – १ से ५० : पृष्ठ क्रमांक ४८ से ५०)

दिसम्बर

- १ से ४० तक क्रम से बोलना।
- ३० से ३६ का परिचय, लेखन और गिनती
- १ से ३६ बोलो और लिखो।
- गिनो और सही संख्या के साथ जोड़ो।
- गिनो और सही संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- मनके गिनो और □ में उनकी संख्या लिखो।
- छूटी हुई संख्याएँ क्रम से लिखो।
- ठीक पहलेवाली, ठीक बादवाली और बीचवाली संख्या लिखो। (१ से ३६)

  (नवनीत अंकलेखन – १ से ५० : पृष्ठ क्रमांक ५१ से ५५)

जनवरी

- १ से ४० तक क्रम से बोलना।
- ३७ से ४० का परिचय, लेखन और गिनती
- १ से ४० बोलो और लिखो।
- गिनो और सही संख्या के साथ जोड़ो।
- गिनो और सही संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- मनके गिनो और □ में उनकी संख्या लिखो।
- छूटी हुई संख्याएँ क्रम से लिखो।
- ठीक पहलेवाली, ठीक बादवाली और बीचवाली संख्या लिखो। (१ से ४०)

  (नवनीत अंकलेखन – १ से ५० : पृष्ठ क्रमांक ५६ से ५९)

फरवरी

- १ से ५० तक क्रम से बोलना।
- ४१ से ५० का परिचय, लेखन और गिनती
- १ से ५० बोलो और लिखो।
- गिनो और सही संख्या के साथ जोड़ो।
- गिनो और सही संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- मनके गिनो और ☐ में उनकी संख्या लिखो।
- छूटी हुई संख्याएँ क्रम से लिखो।
- ठीक पहलेवाली, ठीक बादवाली और बीचवाली संख्या लिखो। (१ से ५०)

(नवनीत अंकलेखन – १ से ५० : पृष्ठ क्रमांक ६० से ६५)

मार्च

- १ से ५० तक क्रम से बोलना।
- **पुनरावर्तन २**
- १ से ५० तक का पूर्णतः पुनरावर्तन
- मनके गिनो और सही संख्या के साथ जोड़ो।
- गिनो और सही संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- मनके गिनो और ☐ में उनकी संख्या लिखो।
- छूटी हुई संख्याएँ क्रम से लिखो।
- ◯ में दी गई संख्या जैसी संख्या पहचानकर जोड़ो।
- १ से ५० बोलो और लिखो।
- ठीक पहलेवाली, ठीक बादवाली और बीचवाली संख्या लिखो। (१ से ५०)
- संख्या क्रम से बोलो, बिंदुओं को जोड़ो और चित्र में रंग भरो।

(नवनीत अंकलेखन – १ से ५० : पृष्ठ क्रमांक ६६ से ७२)

अप्रैल

पुनरावर्तन

५. सामान्य ज्ञान

जून

१. हमारा शरीर

- शरीर के विभिन्न अंगों के बारे में बातचीत करना।
- शरीर की पाँच ज्ञानेन्द्रियों के कार्यों के बारे में बातचीत करना।
- हमारा शरीर स्वच्छ रखना चाहिए। किस चीज से कौन-से अंग की सफाई की जाती है – इसके बारे में बातचीत करना।

२. रंग

- काला, नारंगी, पीला, लाल, जामुनी (बैंगनी), नीला, सफेद, गुलाबी, हरा और कत्थई रंग की समझ कराना।

  उदाहरण : कौआ – काला
- कमरे की विभिन्न वस्तुओं के अलग-अलग रंग के बारे में बातचीत करना।

३. उपयोगी पशु

- पालतू प्राणियों के नाम, अंग, आहार, उपयोग, आवाज, बच्चे आदि के संबंध में परस्पर चर्चा करना। उनके निवास के बारे में बातचीत करना।

  (नवनीत सामान्य ज्ञान : पृष्ठ क्रमांक ४ से ६)

जुलाई

*** प्रवृत्तियाँ : १**

४. जंगली जानवर

- जंगली जानवरों के नाम, अंग, आहार के बारे में बातचीत करना।

५. जलचर प्राणी और कीट-जंतुएँ

- जलचर प्राणियों और कीट-जंतुओं के नाम तथा उनकी सामान्य जानकारी के संबंध में बातचीत करना।

६. प्राणियों के निवास

- प्राणियों के नाम और उनके निवास की जानकारी देना।

*** प्रवृत्तियाँ : २**

(नवनीत सामान्य ज्ञान : पृष्ठ क्रमांक ७ से १७)

अगस्त

७. वर्षाऋतु

- कौन-से महीने में आती है? वातावरण में कौन-सा परिवर्तन होता है? क्या-क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए? कौन-कौन-सी वस्तुओं का उपयोग करना चाहिए? क्या-क्या खाते हैं? कौन-कौन-से त्यौहार आते हैं? इनके संबंध में परस्पर चर्चा करना।

८. पक्षी

- पक्षियों के नाम तथा उनके अंग, आहार, आवाज के संबंध में बातचीत करना।

९. फल

- फलों के नाम, स्वाद, रंग, बीज, विशेषताएँ आदि के संबंध में बातचीत करना।

*** प्रवृत्तियाँ : ३**

(नवनीत सामान्य ज्ञान : पृष्ठ क्रमांक १८ से २४)

सितम्बर

१०. सब्जियाँ

- सब्जियों के नाम, स्वाद, रंग, विशेषताएँ आदि के बारे में बातचीत करना।

११. आकार

- त्रिभुज (तिकोन), आयत, वर्ग (चौरस), बेलन, वृत्त आकृतियों की जानकारी देना।

  उदाहरण : टीवी – आयत

- हमारे आसपास की वस्तुएँ कैसे कैसे आकार की हैं? इनकी चर्चा करना।

१२. फूल

- फूलों के नाम, रंग, उपयोग, विशेषताएँ आदि के बारे में बातचीत करना।

*** प्रवृत्तियाँ : ४**

*** पुनरावर्तन १**

(नवनीत सामान्य ज्ञान : पृष्ठ क्रमांक २५ से ३३)

अक्तूबर

पुनरावर्तन

नवम्बर

१३. वाहन

- अलग-अलग पुरजे, उपयोग, किससे चलते हैं? आदि के बारे में चर्चा करना।
- जमीन पर चलनेवाले, पानी में चलनेवाले, आकाश में उड़नेवाले, प्राणियों की सहायता से चलनेवाले वाहनों के बारे में बातचीत करना।

१४. अच्छी आदतें

- अच्छी आदतों का महत्त्व समझाकर उसकी चर्चा परस्पर करना।

१५. समाजसेवक

- परिचारिका, डॉक्टर, किसान, कुम्हार, पुलिस, शिक्षिका (शिक्षक), दर्जी (दरजी), डाकिया, कुँजड़ा, ड्राइवर (चालक), माली, बढ़ई, हजाम (नाई), राजगीर आदि के नाम और उनके लिए उपयोगी साधनों की बातचीत करना।

(नवनीत सामान्य ज्ञान : पृष्ठ क्रमांक ३४ से ३६)

दिसम्बर

* **प्रवृत्तियाँ : ५**

१६. पोशाक (पहनावा)

- लड़के और लड़कियाँ – कौन कैसी पोशाक पहनता है? उसकी चर्चा करना।

१७. सर्दी (जाड़ा, शीतकाल)

- कौन-से महीनों में आता है? वातावरण में कौन-से परिवर्तन आते हैं? क्या-क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए? कौन-कौन-सी वस्तुओं का उपयोग करना चाहिए? क्या-क्या खाते हैं? कौन-कौन-से त्योहार आते हैं? इनके बारे में चर्चा करना।

(नवनीत सामान्य ज्ञान : पृष्ठ क्रमांक ३७ से ४२)

जनवरी

१८. पाठशाला (स्कूल)

- वर्ग में कौन-कौन-सी वस्तुएँ हैं? इनके बारे में चर्चा करना।
- पाठशाला में उपयोगी वस्तुओं के बारे में बातचीत करना।

१९. बिजली से चलनेवाले साधन

- बिजली से चलनेवाले साधनों के बारे में परस्पर चर्चा करना।

* **प्रवृत्तियाँ : ६**

(नवनीत सामान्य ज्ञान : पृष्ठ क्रमांक ४३ से ४७)

फरवरी

२०. बैठक-कक्ष की वस्तुएँ

- बेठक-कक्ष की वस्तुओं के बारे में परस्पर चर्चा करना।

२१. रसोईघर की वस्तुएँ

- रसोईघर की वस्तुएँ, मिट्टी के बरतन और पूजा के पात्रों (बरतनों) के बारे में चर्चा करना।

२२. शयन-कक्ष की वस्तुएँ

- शयन-कक्ष की वस्तुओं के बारे में परस्पर चर्चा करना।

* **प्रवृत्तियाँ : ७**

२३. स्नानगृह की वस्तुएँ

- स्नानगृह की वस्तुओं के बारे में परस्पर चर्चा करना।

(नवनीत सामान्य ज्ञान : पृष्ठ क्रमांक ४८ से ५४)

मार्च

२४. सुरक्षा

- क्या न करें? इसके बारे में परस्पर चर्चा करना।

२५. गरमी (ग्रीष्मकाल)

- कौन-से महीनों में आता है? वातावरण में कौन-से परिवर्तन आते हैं? क्या-क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए? कौन-कौन-सी वस्तुओं का उपयोग करना चाहिए? क्या-क्या खाते हैं? कौन-कौन-से त्योहार आते हैं? इनके बारे में चर्चा करना।

२६. कार्टूनपात्र (व्यंग्य चित्र)

- कार्टूनपात्रों के बारे में परस्पर चर्चा करना।

* **प्रवृत्तियाँ : ८**

* **पुनरावर्तन २**

(नवनीत सामान्य ज्ञान : पृष्ठ क्रमांक ५५ से ६४)

अप्रैल

पुनरावर्तन

६. अंग्रेजी

जून

- Good morning, Good afternoon, Good evening, Good night, Thank you, Sorry, Please आदि शब्दों का मौखिक उपयोग सिखाना।
- A से L तक क्रम से बोलो।
- 1 से 10 तक क्रम से बोलो।
- A से C तक का परिचय, वाचन और लेखन
- 1 और 2 का परिचय, वाचन और लेखन

  [Navneet Alphabet (Capital Letters) & Numbers (1 to 20) : पृष्ठ क्रमांक 2 से 4, 38 – 39]

जुलाई

- A से L तक क्रम से बोलो।
- 1 से 10 तक क्रम से बोलो।
- D से F तक का परिचय, वाचन और लेखन
- 3 से 6 तक का परिचय, वाचन और लेखन
- समान अक्षरों / अंकों को जोड़ो।
- □ में दिया गया अक्षर / संख्या पहचानकर, उसके चारों ओर ◯ बनाओ।
- प्रत्येक पंक्ति में अलग अक्षर / संख्या पर × बनाओ।
- चित्र पहचानकर उसे उसके नाम के पहले अक्षर के साथ जोड़ो।
- प्रत्येक पंक्ति में सही अक्षर के चारों ओर ◯ बनाओ।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के चारों ओर ◯ बनाओ।
- क्रम से अक्षर / संख्या लिखो।
- समान शब्दों को जोड़ो।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के पासवाले ◯ में रंग भरो।

- चित्र चहचानकर ☐ में उसके नाम का पहला अक्षर लिखो।
- गिनो और सही संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- प्रत्येक चित्र-समूह को उसकी संख्या के साथ जोड़ो।
- गिनो और ☐ में संख्या लिखो।
- [Navneet Alphabet (Capital Letters) & Numbers (1 to 20) : पृष्ठ क्रमांक 5 से 7, 40 से 43]

अगस्त

- A से L तक क्रम से बोलो।
- 1 से 10 तक क्रम से बोलो।
- G से I तक का परिचय, वाचन और लेखन
- 7 और 8 का परिचय, वाचन और लेखन
- समान अक्षरों / अंकों को जोड़ो।
- ☐ में दिया गया अक्षर / संख्या पहचानकर, उसके चारों ओर ◯ बनाओ।
- प्रत्येक पंक्ति में अलग अक्षर / संख्या पर × बनाओ।
- चित्र पहचानकर, उसे उसके नाम के पहले अक्षर के साथ जोड़ो।
- प्रत्येक पंक्ति में सही अक्षर के चारों ओर ◯ बनाओ।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के चारों ओर ◯ बनाओ।
- क्रम से अक्षर / संख्या लिखो।
- समान शब्दों को जोड़ो।
- छूटे हुए अक्षर / छूटी हुई संख्या लिखो।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के पासवाले ◯ में रंग भरो।
- चित्र चहचानकर ☐ में उसके नाम का पहला अक्षर लिखो।
- गिनो और सही संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- प्रत्येक चित्र-समूह को उसकी संख्या के साथ जोड़ो।
- गिनो और ☐ में संख्या लिखो।
- [Navneet Alphabet (Capital Letters) & Numbers (1 to 20) : पृष्ठ क्रमांक 8 से 10, 44 – 45]

सितम्बर

- A से L तक क्रम से बोलो।
- 1 से 10 तक क्रम से बोलो।
- J से L तक का परिचय, वाचन और लेखन
- 9 और 10 का परिचय, वाचन और लेखन
- ACTIVITIES (प्रवृत्तियाँ) 1 और 3
- REVISION (पुनरावर्तन) 1
- [Navneet Alphabet (Capital Letters) & Numbers (1 to 20) : पृष्ठ क्रमांक 11 से 17, 46 से 49 और 59 से 61]

अक्तूबर

पुनरावर्तन

नवम्बर

- A से Z तक क्रम से बोलो।
- 1 से 20 तक क्रम से बोलो।
- M से O तक का परिचय, वाचन और लेखन
- 11 और 12 का परिचय, वाचन और लेखन
- समान अक्षरों / संख्याओं को जोड़ो।
- ☐ में दिया गया अक्षर / संख्या पहचानकर, उसके चारों ओर ○ बनाओ।
- प्रत्येक पंक्ति में अलग अक्षर / संख्या पर × बनाओ।
- चित्र पहचानकर उसे उसके नाम के पहले अक्षर के साथ जोड़ो।
- प्रत्येक पंक्ति में सही अक्षर के चारों ओर ○ बनाओ।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के चारों ओर ○ बनाओ।
- क्रम से अक्षर / संख्या लिखो।
- समान शब्दों को जोड़ो।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के पासवाले ○ में रंग भरो।

- चित्र पहचानकर ☐ में उसके नाम का पहला अक्षर लिखो।
- गिनो ओर सही संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- प्रत्येक चित्र-समूह को उसकी संख्या के साथ जोड़ो।
- गिनो और ☐ में संख्या लिखो।
- [Navneet Alphabet (Capital Letters) & Numbers (1 to 20) : पृष्ठ क्रमांक 18 से 20, 50]

दिसम्बर

- A से Z तक क्रम से बोलो।
- 1 से 20 तक क्रम से बोलो।
- P से R तक का परिचय, वाचन और लेखन
- 13 और 14 का परिचय, वाचन और लेखन
- समान अक्षरों / संख्याओं को जोड़ो।
- ☐ में दिया गया अक्षर / संख्या पहचानकर, उसके चारों ओर ◯ बनाओ।
- प्रत्येक पंक्ति में अलग अक्षर / संख्या पर × बनाओ।
- चित्र पहचानकर उसे उसके नाम के पहले अक्षर के साथ जोड़ो।
- प्रत्येक पंक्ति में सही अक्षर के चारों ओर ◯ बनाओ।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के चारों ओर ◯ बनाओ।
- क्रम से अक्षर / संख्या लिखो।
- समान शब्दों को जोड़ो।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के पासवाले ◯ में रंग भरो।
- चित्र पहचानकर ☐ में उसके नाम का पहला अक्षर लिखो।
- गिनो ओर सही संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- प्रत्येक चित्र-समूह को उसकी संख्या के साथ जोड़ो।
- गिनो और ☐ में संख्या लिखो।
- [Navneet Alphabet (Capital Letters) & Numbers (1 to 20) : पृष्ठ क्रमांक 21 से 23, 51]

जनवरी

- A से Z तक क्रम से बोलो।
- 1 से 20 तक क्रम से बोलो।
- S से U तक का परिचय, वाचन और लेखन
- 15 और 16 का परिचय, वाचन और लेखन
- समान अक्षरों / संख्याओं को जोड़ो।
- ☐ में दिया गया अक्षर / संख्या पहचानकर, उसके चारों ओर ◯ बनाओ।
- प्रत्येक पंक्ति में अलग अक्षर / संख्या पर × बनाओ।
- चित्र पहचानकर उसे उसके नाम के पहले अक्षर के साथ जोड़ो।
- प्रत्येक पंक्ति में सही अक्षर के चारों ओर ◯ बनाओ।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के चारों ओर ◯ बनाओ।
- क्रम से अक्षर / संख्या लिखो।
- समान शब्दों को जोड़ो।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के पासवाले ◯ में रंग भरो।
- चित्र पहचानकर ☐ में उसके नाम का पहला अक्षर लिखो।
- गिनो ओर सही संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- प्रत्येक चित्र-समूह को उसकी संख्या के साथ जोड़ो।
- गिनो और ☐ में संख्या लिखो।
- [Navneet Alphabet (Capital Letters) & Numbers (1 to 20) : पृष्ठ क्रमांक 24 से 26, 52]

फरवरी

- A से Z तक क्रम से बोलो।
- 1 से 20 तक क्रम से बोलो।
- V से X तक का परिचय, वाचन और लेखन
- 17 और 18 का परिचय, वाचन और लेखन
- समान अक्षरों / संख्याओं को जोड़ो।
- ☐ में दिया गया अक्षर / संख्या पहचानकर, उसके चारों ओर ◯ बनाओ।

- प्रत्येक पंक्ति में अलग अक्षर / संख्या पर × बनाओ।
- चित्र पहचानकर उसे उसके नाम के पहले अक्षर के साथ जोड़ो।
- प्रत्येक पंक्ति में सही अक्षर के चारों ओर ◯ बनाओ।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के चारों ओर ◯ बनाओ।
- क्रम से अक्षर / संख्या लिखो।
- समान शब्दों को जोड़ो।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के पासवाले ◯ में रंग भरो।
- चित्र पहचानकर ☐ में उसके नाम का पहला अक्षर लिखो।
- गिनो ओर सही संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- प्रत्येक चित्र-समूह को उसकी संख्या के साथ जोड़ो।
- गिनो और ☐ में संख्या लिखो।
- [Navneet Alphabet (Capital Letters) & Numbers (1 to 20) : पृष्ठ क्रमांक 27 से 29, 53]

मार्च

- A से Z तक क्रम से बोलो।
- 1 से 20 तक क्रम से बोलो।
- Y और Z का परिचय, वाचन और लेखन
- 19 और 20 का परिचय, वाचन और लेखन
- A से Z और 1 से 20 तक का पूर्णतः पुनरावर्तन
- ACTIVITIES (प्रवृत्तियाँ) 2 और 4
- REVISION (पुनरावर्तन) 2
- [Navneet Alphabet (Capital Letters) & Numbers (1 to 20) : पृष्ठ क्रमांक 30 से 37, 54 से 58 और 62 से 64]

अप्रैल

पुनरावर्तन

७. चित्रकला

जून

- चॉक से जमीन पर, क्रेअन से समाचारपत्र पर मुक्त चित्रकारी करने देना।
- आकृतियों की रचना और परिचय

  रंगकार्य : रंगीन वृत्त बनाओ।

  (नवनीत यूनीक चित्रकला : पृष्ठ क्रमांक २ और ३)

जुलाई

- | | | खड़ी लकीर खींचना।
- 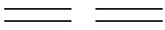 आड़ी लकीर खींचना।
- खींचना।
- खींचना।

(**टिप्पणी :** ये सब आकृतियाँ कागज़ पर, जमीन पर, कोष्ठकवाली कापी में पेन्सिल से और क्रेअन से खींचाना।)

रंगकार्य :
- छोटी-छोटी आड़ी-खड़ी रेखाएँ खींचो।
- आड़ी-खड़ी रेखाएँ खींचो।
- दिए गए चित्र में रंग भरो।

(नवनीत यूनीक चित्रकला : पृष्ठ क्रमांक ४ से ८)

अगस्त

- अर्धवृत्त खींचना।
- 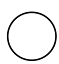 वृत्त खींचना।
- ✓ खींचना।
- ✕ खींचना।

(**टिप्पणी :** ये सब आकृतियाँ कागज़ पर, जमीन पर, कोष्ठकवाली कापी में पेन्सिल से और क्रेअन से खींचाना।)

रंगकार्य :
- बिंदुओं के चारों ओर वृत्त बनाओ।
- वृत्त बनाकर उनमें केन्द्र बनाओ।
- बिंदुओं पर आड़ी-तिरछी रेखाएँ खींचो।
- दिए गए चित्र में रंग भरो।

(नवनीत यूनीक चित्रकला : पृष्ठ क्रमांक ९ से १३)

सितम्बर

- खींचना। • 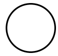 खींचना। • खींचना।
- 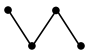 बिंदु मिलाओ।
- सूरज 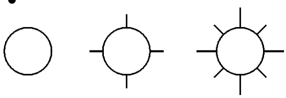 • गेंद 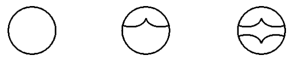

(**टिप्पणी :** ये सब आकृतियाँ कागज़ पर, जमीन पर, कोष्ठकवाली कापी में पेन्सिल से और क्रेअन से खींचाना।)

रंगकार्य : • दिए गए चित्र में रंग भरो।

(नवनीत यूनीक चित्रकला : पृष्ठ क्रमांक १४ से १८)

अक्तूबर

पुनरावर्तन

नवम्बर

- गुब्बारा 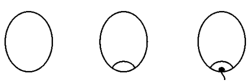 • नदी

(**टिप्पणी :** इस प्रकार चित्रकारी सिखाकर रंग भरना सिखाना।)

रंगकार्य : • दिए गए चित्र में रंग भरो।

(नवनीत यूनीक चित्रकला : पृष्ठ क्रमांक १९ से २१)

दिसम्बर

- नाव 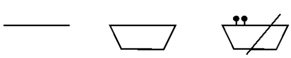 • मछली 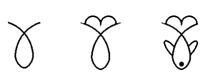

(**टिप्पणी :** इस प्रकार चित्रकारी सिखाकर रंग भरना सिखाना।)

रंगकार्य : • दिए गए चित्र में रंग भरो।

(नवनीत यूनीक चित्रकला : पृष्ठ क्रमांक २२ से २६)

जनवरी

- घास • पेड़
- फूल

(**टिप्पणी** : इस प्रकार चित्रकारी सिखाकर रंग भरना सिखाना।)

रंगकार्य : • दिए गए चित्र में रंग भरो।

(नवनीत यूनीक चित्रकला : पृष्ठ क्रमांक २७ से ३१)

फरवरी

- पर्वत 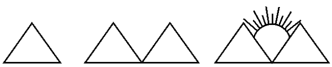 • मंदिर 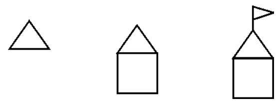
- घर 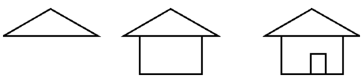

(**टिप्पणी** : इस प्रकार चित्रकारी सिखाकर रंग भरना सिखाना।)

रंगकार्य : • दिए गए चित्र में रंग भरो।

(नवनीत यूनीक चित्रकला : पृष्ठ क्रमांक ३२ से ३७)

मार्च

- चिड़िया 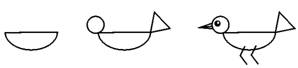 • खरगोश 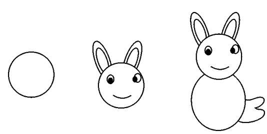
- जोकर 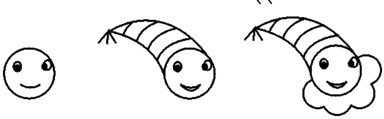

(**टिप्पणी** : इस प्रकार चित्रकारी सिखाकर रंग भरना सिखाना।)

रंगकार्य : • दिए गए चित्र में रंग भरो।

(नवनीत यूनीक चित्रकला : पृष्ठ क्रमांक ३८ से ४०)

अप्रैल

पुनरावर्तन

८. सृजनात्मक प्रवृत्तियाँ

जून

- हथेली की छाप • मुट्ठी की छाप • अँगूठे की छाप

जुलाई

- उँगलियाँ रंग में डुबोकर विभिन्न रूपरेखा की छाप

अगस्त

- राखी चिपकाना। • राष्ट्रध्वज चिपकाना। • स्पंज की छाप।

सितम्बर

- आलू, भिंडी, करेला और प्याज की छाप
- रोलिंग (पेन्सिल पर रस्सी लपेटकर उस पर रंग लगाकर रोलिंग कराना।)
- दीपावली कार्ड चिपकाना । • रूमाल को तह करना ।

अक्तूबर

पुनरावर्तन

नवम्बर

- कागज़ के नीचे चंपा का पर्ण रखकर क्रेअन आड़ा घिसना।

दिसम्बर

- क्रिसमस ट्री चिपकाना। (तीन त्रिभुज)
- मोमकार्य (सफेद क्रेअन से चित्र खींचकर रंगीन वॉश देना।)
- सान्ता क्लौस चिपकाना। (रूई से)

जनवरी

- पतंग चिपकाना। • बिंदी चिपकाना।
- कागज़ की गोली बनाकर चिपकाना।

फरवरी

- आईसक्रीम स्टिक चिपकाना। • रेतकार्य
- ब्लॉक प्रिन्टिंग (लकड़े के टुकड़े पर सुतली लपेटकर)

मार्च

- पंखा, नाव और फिरकी बनाना।

अप्रैल

पुनरावर्तन

९. शिशुगीत

जून

१. सरस्वती-वंदन २. हम नन्हे-नन्हे बच्चे हैं ३. मछली जल की रानी

जुलाई

४. आलू-कचालू ५. अक्कड़-बक्कड़ ६. गोल-गोल पानी ७. कुहू-कुहू
८. चूहा ९. काठ का घोड़ा १०. कठपुतली नाची

अगस्त

११. मेरी गुड़िया १२. मेरी नानी १३. गिनती-गीत १४. बंदर मामा
१५. गर्मी के दिन १६. चिकी लिकी १७. तितली रानी! कहाँ चली?

सितम्बर

१८. धम्मक-धम्मक १९. नर्तकियाँ २०. गुड़िया रानी
२१. सबकी चाल २२. फूल २३. तितली रानी
२४. ठीक समय पर २५. गुड़िया का ब्याह

अक्तूबर

पुनरावर्तन

नवम्बर

२६. वर्षा रानी २७. अट्टू-बट्टू २८. बिल्ली भागी २९. एक से दस
३०. चिड़िया

दिसम्बर

३१. तोता ३२. बेबी-बेबी ३३. एक था राजा ३४. कुकड़ू-कूँ
३५. भालू आया ३६. बिल्ली और चूहा

जनवरी

३७. फोन ३८. नई पतंग ३९. तितली से भी प्यारी ४०. मेरी बिल्ली खाए खीर
४१. जब बोलो, तब हँसकर बोलो

फरवरी

४२. दीपावली मनाऊँगी ४३. गांधीजी के बंदर ४४. जापानी गुड़िया
४५. चार कबूतर ४६. वे अच्छे बच्चे कहलाते

मार्च

४७. जुगनू भाई ४८. सावधान ४९. मेरा देश ५०. तिरंगा

अप्रैल

पुनरावर्तन

☞ समय-पत्रक ☜

समय	प्रवृत्ति	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
३० मिनट	प्रार्थना हाजिरी शिशुगीत	—	—	—	—	—	—
२० मिनट	मौखिक	हिन्दी	गणित	हिन्दी	गणित	हिन्दी	अंग्रेजी
३० मिनट	लेखन	हिन्दी	गणित	हिन्दी	गणित	हिन्दी	अंग्रेजी
२० मिनट	नाश्ता	—	—	—	—	—	—
२० मिनट	सामान्य ज्ञान	—	—	—	—	—	—
४० मिनट	मुख्य प्रवृत्ति	वर्ग के अंदर वर्ग के बाहर	सृजनात्मक प्रवृत्ति	वर्ग के बाहर वर्ग के अंदर	चित्रकारी	खेल	मानसिक विकास
२० मिनट	वार्ता	—	—	—	—	—	—

☞ त्योहारों के बारे में जानकारी ☜

धार्मिक त्योहार

रथयात्रा	दीपावली
गौरी-पार्वती का व्रत	मकरसंक्रांति
रक्षाबंधन	शिवरात्रि
जन्माष्टमी	होली-धुलेंडी
संवत्सरी	ईद
गणेश चतुर्थी	मोहर्रम
नवरात्रि / दशहरा	पतेती
शरदपूर्णिमा	क्रिसमस

राष्ट्रीय त्योहार

गणतंत्र दिवस	२६ जनवरी
स्वतंत्रता दिवस	१५ अगस्त
शिक्षक दिन	५ सितम्बर
गांधी जयंती	२ अक्तूबर
सरदार पटेल जयंती	३१ अक्तूबर
बालदिन	१४ नवम्बर

☞ अन्य प्रवृत्तियाँ / स्पर्धा का आयोजन ☜

जुलाई – संगीत कुर्सी
अगस्त – चित्र
सितम्बर – गीत
अक्तूबर – वेश-भूषा
नवम्बर – स्मृति शक्ति
दिसम्बर – नीबू चम्मच
जनवरी – वार्ता
फरवरी – शब्द-खेल
मार्च – अनुलेखन

Published by Navneet Education Limited, Dantali, Gujarat.
Printed by Navneet Education Limited, Dantali, Gujarat. **CTP**